



उत्तर प्रदेश शासन
कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2
संख्या-318/2026/1143/22-2-2025-17(944)/2025
लखनऊ: दिनांक: 02 अप्रैल, 2026
आदेश

उत्तर प्रदेश के श्री राज्यपाल, भारत का संविधान के अनुच्छेद-161 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय कारागार, नैनी प्रयागराज में निरुद्ध सिद्धदोष बंदी गुरुदत्त पाठक (बन्दी सं0-1000/2014) पुत्र श्री मुरलीधर, नगरवार, थाना-बारा, जनपद-प्रयागराज का निवासी है, बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-17/1982 में भा0द0वि0 की धारा-302/34 के अन्तर्गत मा0 न्यायालय, सत्र न्यायाधीश, इलाहाबाद के दण्डादेश दिनांक 27.07.1982 द्वारा दोषमुक्त किया गया। मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के आदेश दिनांक 16.01.2014 द्वारा आजीवन कारावास की सजा से दण्डित किया गया। मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली के आदेश दिनांक 06.05.2021 द्वारा आजीवन कारावास की सजा को यथावत रखा गया, बंदी द्वारा दिनांक 26.03.2024 तक अपरिहार 09 वर्ष 10 माह 15 दिन तथा 11 वर्ष 04 माह 03 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है, संतोषजनक जेल आचरण के दृष्टिगत शेष सजा का परिहार करते हैं तथा यह आदेश देते हैं कि यदि उक्त बंदी को किसी अन्य वाद में निरुद्ध रखा जाना वांछित न हो तो उसे अपनी शेष दण्डावधि में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिये जिला मजिस्ट्रेट, प्रयागराज के संतोषानुसार दो जमानतें तथा उतनी ही धनराशि का एक निजी मुचलका प्रस्तुत करने पर बन्दी को कारागार से मुक्त कर दिया जाय।

कमलेश कुमार
उप सचिव।

संख्या-318/2026/1143(1)/22-2-2025 तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक, कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें, उ0प्र0।
- 2- जिला मजिस्ट्रेट, प्रयागराज।
- 3- पुलिस आयुक्त, प्रयागराज।
- 4- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, नैनी प्रयागराज।
- 5- निजी सचिव, मा0 मंत्री कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
- 6- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 राज्यमंत्री जी के सूचनार्थ।
- 7- कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-3, उत्तर प्रदेश शासन।
- 8- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
ममता श्रीवास्तव
अनु सचिव।